RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

# ARJUN BATCH

## CLASS 10th | GEOGRAPHY

# संसाधन एवं विकास

## Resources and Development

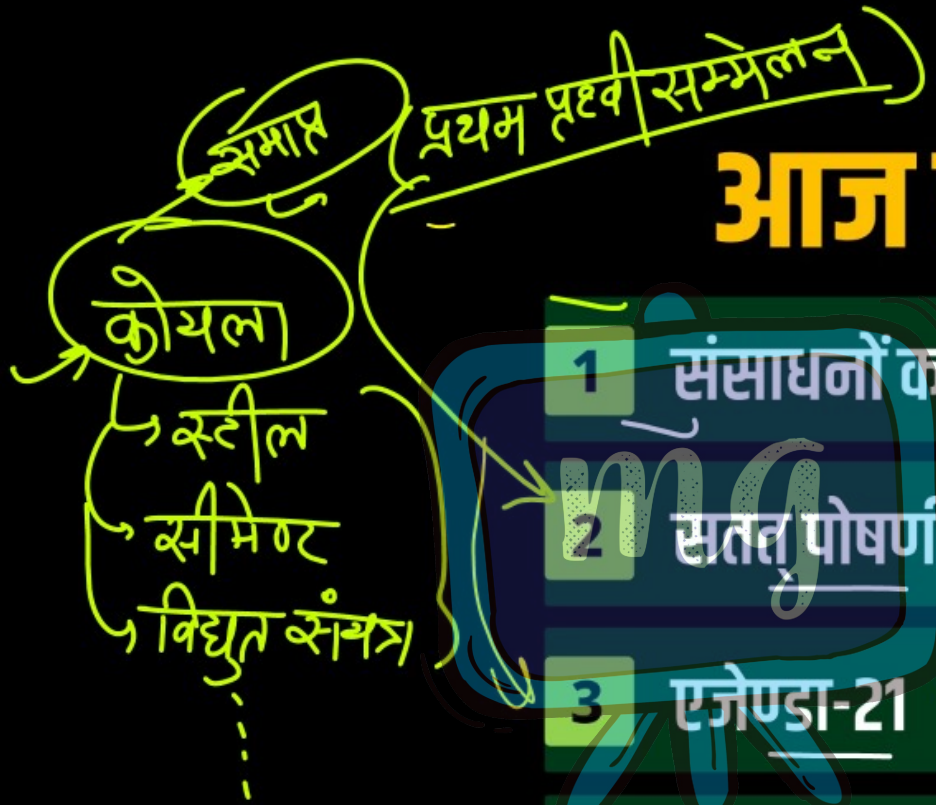
## अध्याय-1 | भाग-2

**एकदम BASIC से!**



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

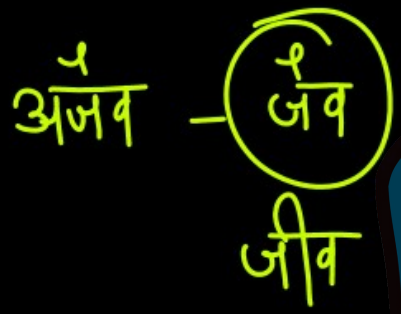



# आज क्या पढेंगे ?

1. संसाधनों का विकास
2. सतत पोषणीय विकास
3. एजेण्डा-21
4. संसाधन नियोजन

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER




निम्न में से कौन-कौन से संसाधन जैव-संसाधन के अंतर्गत आते है ?

अ वनस्पति

ब जीव-जंतु

स मच्छर

द उपरोक्त सभी

निम्न में से कौन-कौन से संसाधन अजैव-संसाधन के अंतर्गत आते है ?



अ हवा

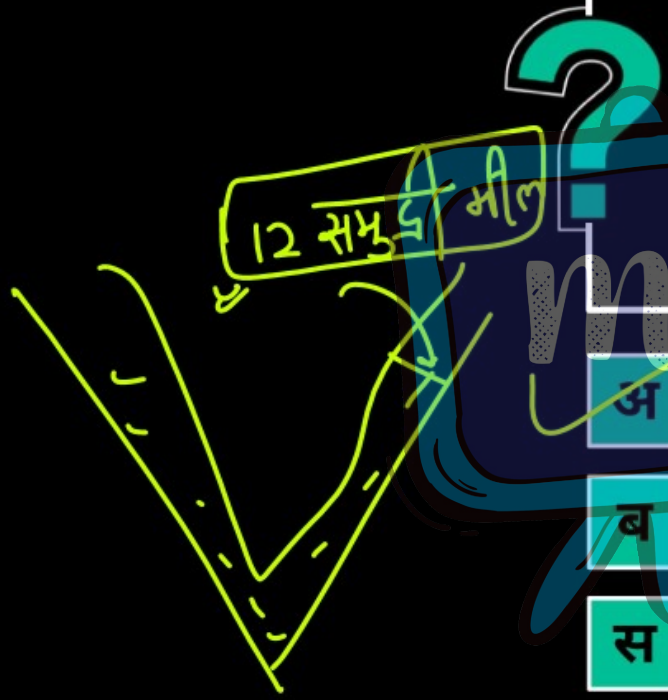
ब जल

स तापमान

द उपरोक्त सभी

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER




निम्न में से समुद्री-तट से कितनी दूरी तक के संसाधन राष्ट्रीय-संसाधनों के अंतर्गत आते है ?

अ 22 किमी

२२.२ km.

ब 12 किमी

स 44 किमी

द उपरोक्त में से कोई नहीं

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

# संसाधनों का विकास

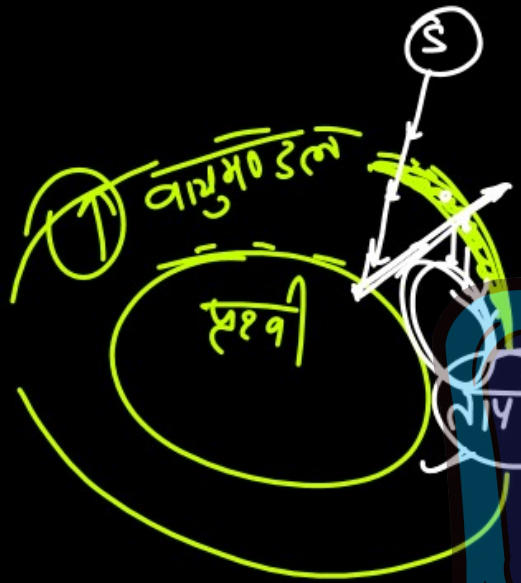



- मनुष्य के जीवन यापन के लिए अति आवश्यक हैं
- जीवन की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए भी महत्त्वपूर्ण हैं।

लेकिन, मानव ने इनका अंधाधुंध शोषण किया है, जिससे कई समस्याएँ पैदा हो गई हैं—

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



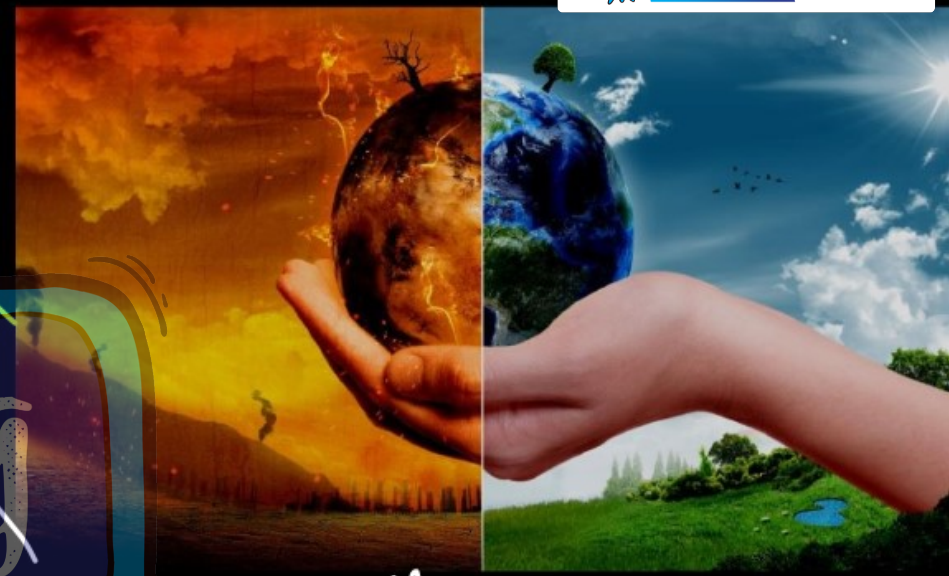

## संसाधनों का ह्रास

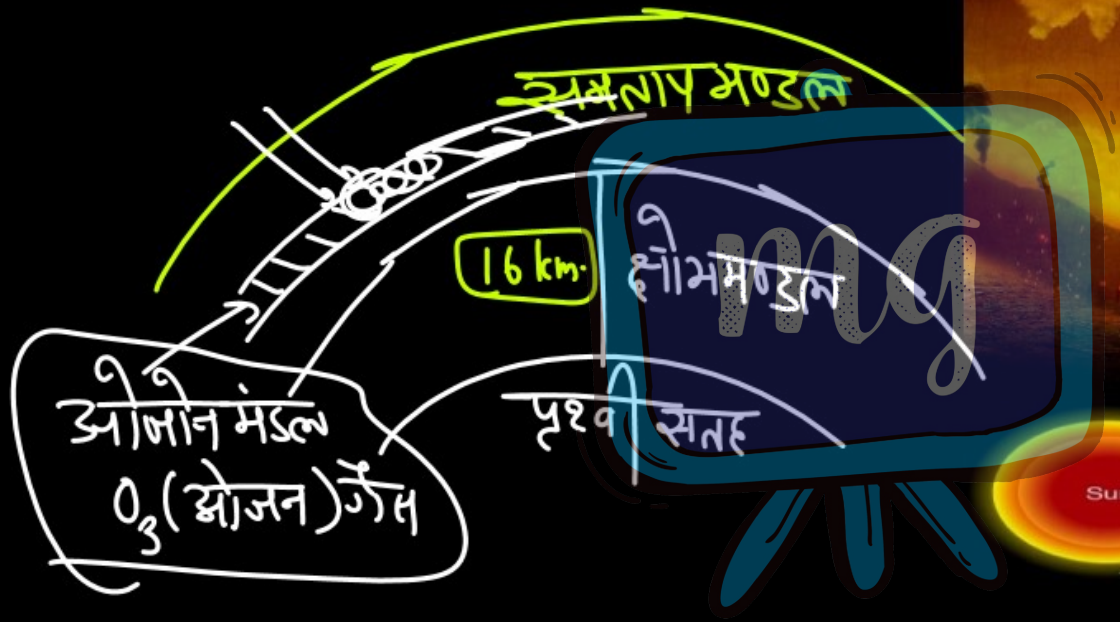
- संसाधन समाज के कुछ ही लोगों के हाथ में आ गए हैं, जिससे समाज दो हिस्सों संसाधन संपन्न एवं संसाधनहीन (अमीर और गरीब) में बँट गया

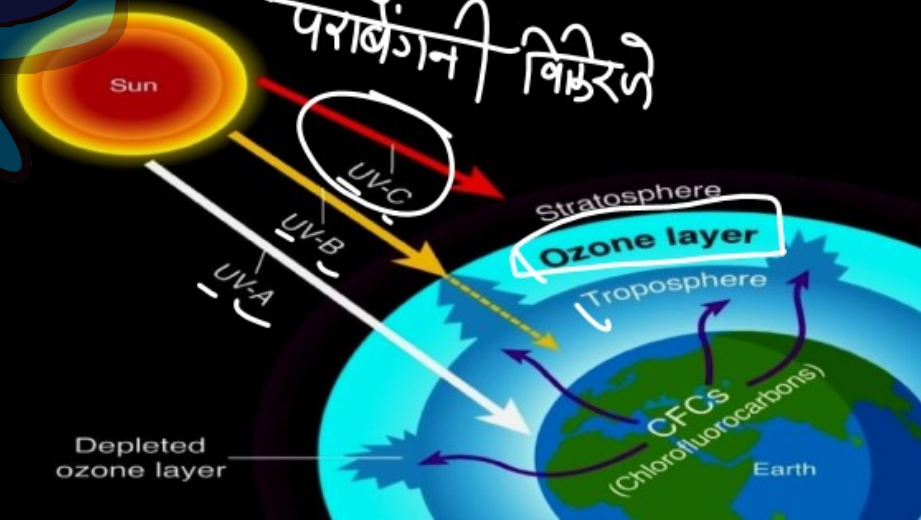
- वैश्विक पारिस्थितिकी संकट पैदा हो गया है, जैसे— भूमंडलीय तापन, ओज़ोन परत अवक्षय, पर्यावरण प्रदूषण, भूमि निम्नीकरण आदि

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER





RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

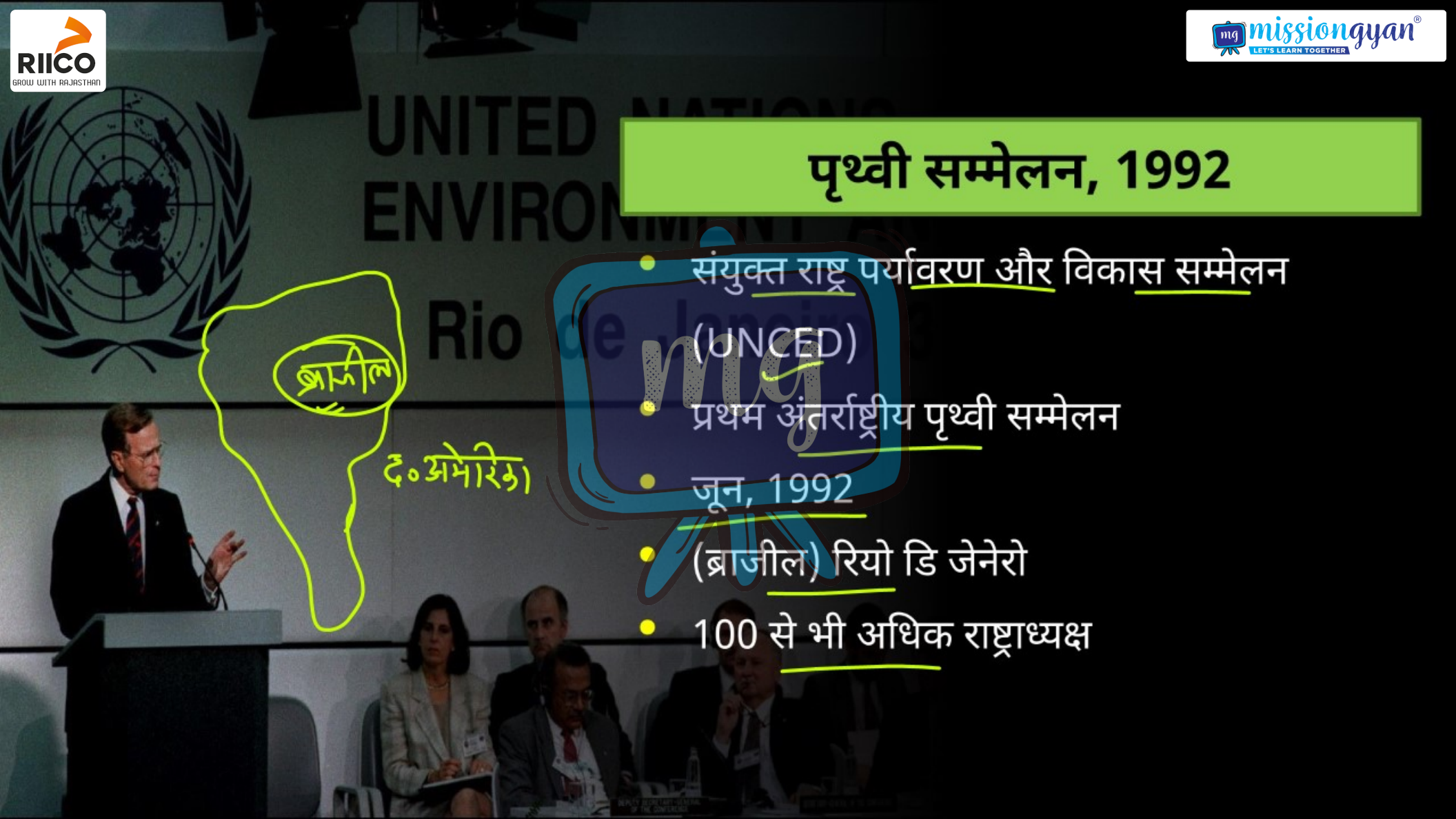
पारिस्थितिकी संतुलन

- मानव जीवन की गुणवत्ता और विश्व शांति बनाए रखने के लिए संसाधनों का समाज में न्यायसंगत बँटवारा आवश्यक है।
- यदि कुछ ही व्यक्तियों तथा देशों द्वारा संसाधनों का वर्तमान दोहन जारी रहता है, तो हमारी पृथ्वी का भविष्य खतरे में पड़ सकता है।
- इसलिए, हर तरह के जीवन का अस्तित्व बनाए रखने के लिए संसाधनों के उपयोग की योजना बनाना अति आवश्यक है।

# सतत् पोषणीय विकास

**ऐसा आर्थिक विकास जो—**

- पर्यावरण को बिना नुकसान पहुँचाए हो
- भविष्य की पीढ़ियों की आवश्यकता की अवहेलना न करे।




# पृथ्वी सम्मेलन, 1992

- संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण और विकास सम्मेलन (UNCED)
- प्रथम अंतर्राष्ट्रीय पृथ्वी सम्मेलन
- जून, 1992
- (ब्राजील) रियो डि जेनेरो
- 100 से भी अधिक राष्ट्राध्यक्ष




## उद्देश्य—

- पर्यावरण संरक्षण
- सामाजिक-आर्थिक विकास की समस्याओं का हल ढूँढना

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER




- जलवायु परिवर्तन और जैविक विविधता पर एक घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर किया।
- वन सिद्धांतों (Forest Principles) पर सहमति
- **एजेंडा 21 :** 21वीं शताब्दी में सतत् पोषणीय विकास के लिए।

AGENDA 21


LD MAP
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER
Greenland (Denmark)
Alaska (USA)
Canada
United States of America
Russia
China
India
Australia
Kazakhstan
Mongolia
Arctic Circle
Tropic of Cancer
Equator
Tropic of Capricorn
Prime Meridian
NORTH PACIFIC OCEAN
NORTH ATLANTIC OCEAN
SOUTH PACIFIC OCEAN
SOUTH ATLANTIC OCEAN
INDIAN OCEAN
ARCTIC OCEAN
PACIFIC OCEAN
1992
1. Netherlands
2. Belgium
3. Luxembourg
4. Switzerland
5. Slovenia
6. Croatia
7. Bosnia and Herzegovina
8. Czechia
9. Slovakia
10. Austria
11. Hungary
12. Serbia
13. Moldova
14. North Macedonia
15. Albania
16. Cyprus
17. Lebanon
18. Guinea-Bissau
19. Guinea
20. Ghana
21. Togo
22. Benin
23. Cameroon
24. Equatorial Guinea
25. Rwanda
26. Cambodia
27. Panama
28. Malawi
29. Liechtenstein
30. Montenegro
31. Kosovo
32. Palestinian Territories
33. St. Vincent & the Grenadines
0
2,000
4,000 Miles

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कार्यसूची

1992 → 20वीं शताब्दी

# एजेंडा 21

AGENDA 21

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण और विकास सम्मेलन (UNCED) के तत्वाधान में राष्ट्राध्यक्षों द्वारा स्वीकृत किया गया था।

**उद्देश्य –**

- सतत् पोषणीय विकास हासिल करना।
- समान हितों, पारस्परिक आवश्यकताओं एवं सम्मिलित जिम्मेदारियों के अनुसार विश्व सहयोग के द्वारा पर्यावरणीय क्षति, गरीबी और रोगों से निपटना।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

## मुख्य उद्देश्य –

- प्रत्येक स्थानीय निकाय अपना स्थानीय एजेंडा 21

तैयार करे!

AGENDA 21

ग्राम पंचायत / नगरपालिका

एजेंडा-21

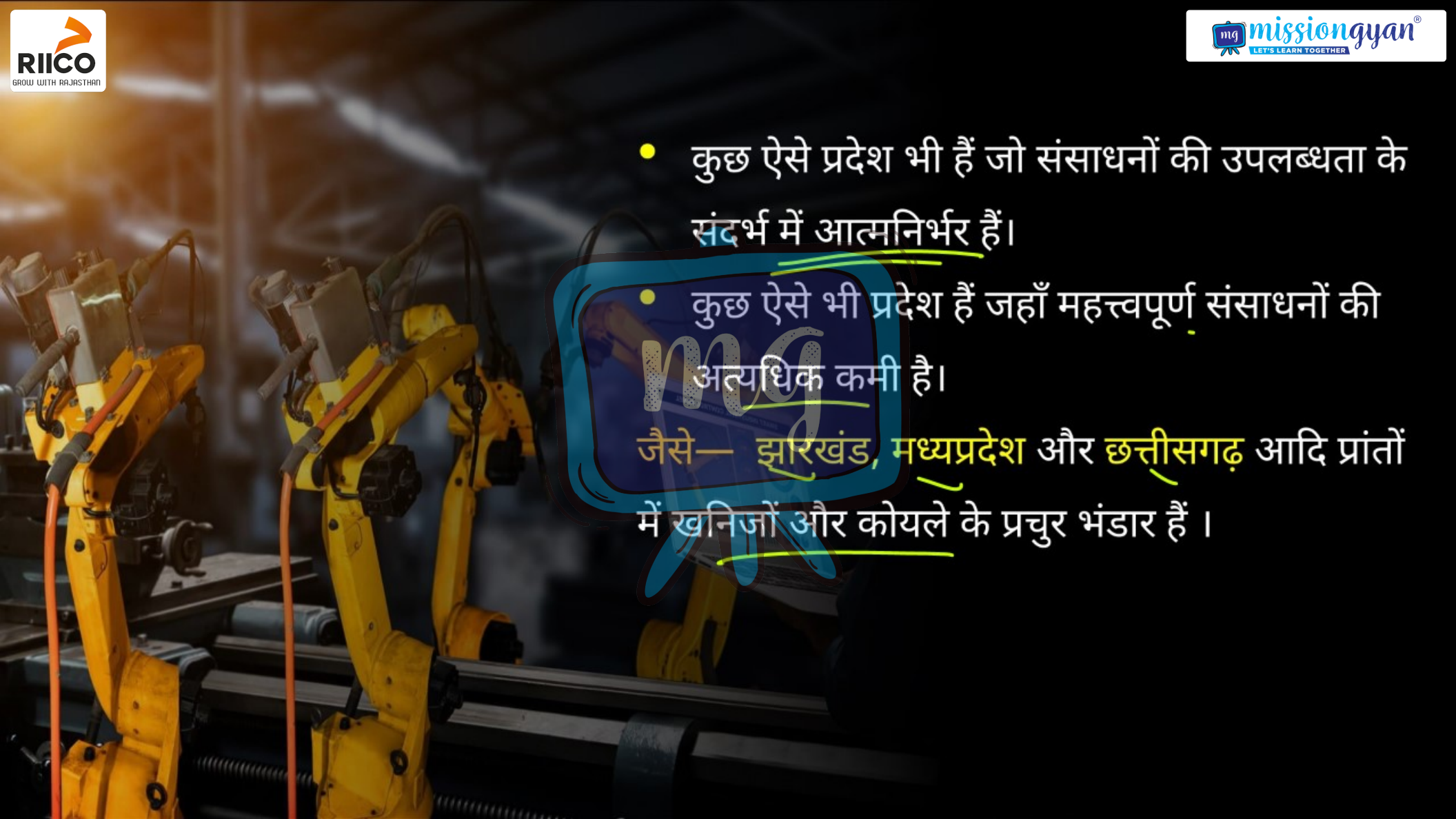
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER




# संसाधन नियोजन

- संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग के लिए नियोजन एक सर्वमान्य रणनीति है।
- भारत जैसे देश में जहाँ संसाधनों की उपलब्धता में बहुत अधिक विविधता है, यह और भी महत्त्वपूर्ण है।
- यहाँ ऐसे प्रदेश भी हैं जहाँ एक तरह के संसाधनों की प्रचुरता है, परंतु दूसरे तरह के संसाधनों की कमी है।



- कुछ ऐसे प्रदेश भी हैं जो संसाधनों की उपलब्धता के संदर्भ में आत्मनिर्भर हैं।
- कुछ ऐसे भी प्रदेश हैं जहाँ महत्त्वपूर्ण संसाधनों की अत्यधिक कमी है।

जैसे— झारखंड, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ आदि प्रांतों में खनिजों और कोयले के प्रचुर भंडार हैं ।

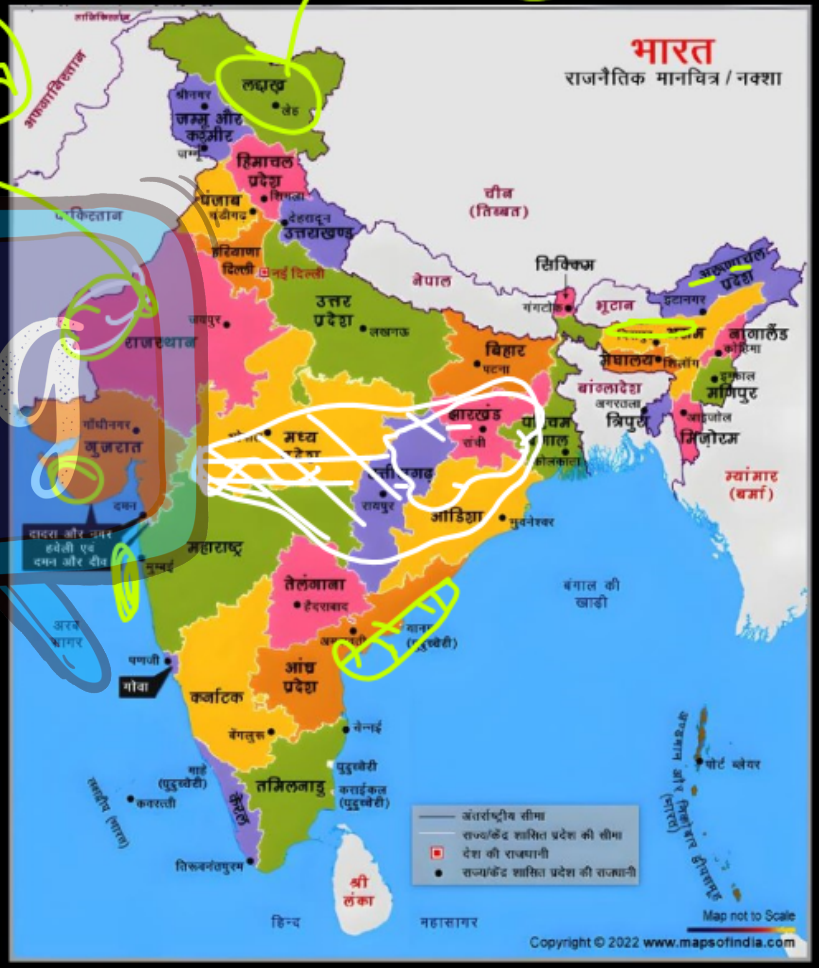
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

शीत शुष्क मरुस्थल

गर्म मरुस्थल

पेट्रोलियम



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

मॉसिनराम चेरापूँजी — जारो, खासी, जयन्तिया पहाड़ियाँ




- अरुणाचल प्रदेश में जल संसाधन प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं, परंतु मूल विकास की कमी है।
- राजस्थान में पवन और सौर ऊर्जा संसाधनों की बहुतायत है, लेकिन जल संसाधनों की कमी है।
- लद्दाख का शीत मरुस्थल सांस्कृतिक विरासत का धनी है परंतु यहाँ जल, आधारभूत अवसंरचना तथा कुछ महत्त्वपूर्ण खनिजों की कमी है।

इसलिए राष्ट्रीय, प्रादेशिक और स्थानीय स्तर पर संतुलित संसाधन-नियोजन की आवश्यकता है।


mg